MAHAKAUSHAL UNIVERSITY, JABALPUR M.P.

कला एवं समाज विज्ञान संकाय

Faculty of Art & Social Science

Syllabus & Prescribed Books

Subject-Sanskrit

B.A. Semester Examination

MAHAKAUSHAL UNIVERSITY,

JABALPUR M.P.

Major

BSAN0101-T	Major	Shashtree Sanskrit sahitya

1. शास्त्रीय संस्कृत साहित्य (काव्य)

- **इकाई 1:**महाकाव्य की उत्पत्ति और विकास; कालिदास का जीवन, कार्य, कथानक संरचना, शैली और 'कुमारसंभवम्' की विशेषताएँ
- **इकाई 2:** 'कुमारसंभवम्' के श्लोक 1 से 17 तक: अनुवाद, संदर्भ और व्याख्या
- **इकाई 3:** 'कुमारसंभवम्' के श्लोक 18 से 34 तक: अनुवाद, संदर्भ और व्याख्या
- **इकाई 4:** 'कुमारसंभवम्' के श्लोक 35 से 51 तक: अनुवाद, संदर्भ और व्याख्या
- **इकाई 5:** 'कुमारसंभवम्' के श्लोक 52 से 68 तक: अनुवाद, संदर्भ और व्याख्या

2. संस्कृत साहित्य का इतिहास

BSAN0201-T

- **इकाई 1:**संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय; गद्यकाव्य, पद्यकाव्य, और चंपूकाव्य का परिचय
- **इकाई 2:**प्रमुख महाकाव्य: रामायण, महाभारत, और उनके रचनाकार
- **इकाई 3:**प्रमुख नाटक कार: भास, कालिदास, शूद्रक, श्रीहर्ष, भवभूति
- **इकाई 4:**प्रमुख गद्य लेखक: बाणभट्ट, दंडी, सुबंधु
- **इकाई 5:**संस्कृत साहित्य के विभिन्नयुग और उनकी विशेषताएँ

3. संस्कृत नाटक

BSAN0301-T	Major	Sanskrit Naatak

- **इकाई 1:**संस्कृत नाटक का परिचय; नाटक की विशेषताएँ और लक्षण
- **इकाई 2:** 'मुद्राराक्षसम्' का प्रथम अंक: अनुवाद, संदर्भ और व्याख्या
- **इकाई 3:** 'मुद्राराक्षसम्' का द्वितीयअंक: अनुवाद, संदर्भ और व्याख्या
- **इकाई 4:**रास, भाव और अभिनय की अवधारणा
- **इकाई 5:**संस्कृत नाटक कारों का योगदान

4. संस्कृत गद्य साहित्य

- **इकाई 1:**गद्य साहित्य का परिचय; प्रमुख गद्यकारों का जीवन और कार्य
- **इकाई 2:** 'दशकुमारचरितम्' काचयनितअंश: अनुवाद, संदर्भ और व्याख्या
- **इकाई 3:** 'कादंबरी' काचयनितअंश: अनुवाद, संदर्भ और व्याख्या
- **इकाई 4:** गद्य साहित्य की विशेषताएँ और शैली
- **इकाई 5:** संस्कृत गद्य साहित्य का विकास

BSAN0501-T . **संस्कृतअलंकार शास्त्र**

- **इकाई 1:**अलंकार शास्त्र का परिचय; अलंकारों का वर्गीकरण
- **इकाई 2:**शब्दालंकार: अनुप्रास, यमक, श्लेष आदि
- **इकाई 3:**अर्थालंकार: उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति आदि
- **इकाई 4:**ध्वनि सिद्धांत और उसकी अवधारणा
- **इकाई 5:**अलंकार शास्त्र के प्रमुखआचार्य और उनके ग्रंथ

BSAN0601-T . **संस्कृत व्याकरण**

- **इकाई 1:**पाणिनीय व्याकरण का परिचय; अष्टाध्यायी की संरचना
- **इकाई 2:**संधि: स्वर, व्यंजन, विसर्गसंधि
- **इकाई 3:**समास: तत्पुरुष, कर्मधारय, द्वंद्व, बहुव्रीहि
- **इकाई 4:**धातुरूपऔर लकारों का परिचय
- **इकाई 5:**सुबंतऔर तिंगंत रूपों का अभ्यास

BSAN0701 -T **संस्कृत दर्शन**

- **इकाई 1:**दर्शन का परिचय; भारतीय दर्शन की विशेषताएँ
- **इकाई 2:**सांख्यदर्शन: सिद्धांतऔर प्रमुख अवधारणाएँ
- **इकाई 3:**योगदर्शन: अष्टांगयोगऔर उसकी अवधारणा
- **इकाई 4:**न्यायदर्शन: प्रमाण, अनुमान, उपमान आदि

- **इकाई 5:** वेदांतदर्शन: अद्वैत, द्वैत, विशिष्टाद्वैत

BSAN0801-T संस्कृत साहित्य एवं आधुनिक अध्ययन

- **इकाई 1:** संस्कृत साहित्य में आधुनिक प्रवृत्तियाँ

  स्वतंत्रता संग्राम में संस्कृत लेखन का योगदान

- **इकाई 2:** आधुनिक संस्कृत साहित्य के प्रमुख कवि और लेखक

  पं. जयदेव, रामकृष्ण कौशिक, वेंकटमाधव और उनके ग्रंथ

- **इकाई 3:** संस्कृत निबंध एवं गद्य साहित्य: संप्रेषणीयता एवं आधुनिक दृष्टि

  महत्वपूर्ण निबंधकार और उनके कार्य

- **इकाई 4:** संस्कृत में विज्ञान एवं तकनीकी साहित्य

  ज्योतिष, गणित, आयुर्वेद और वास्तुशास्त्र में संस्कृत ग्रंथों का योगदान

- **इकाई 5:** संस्कृत और कंप्यूटर: मशीन अनुवाद, प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण

  संस्कृत भाषा के संरक्षण एवं संवर्धन के उपाय

Minor

BSAN0102-T	Minor	Shashtree Sanskrit sahitya

1. शास्त्रीय संस्कृत साहित्य (काव्य)

- **इकाई 1:**महाकाव्य की उत्पत्ति और विकास; कालिदास का जीवन, कार्य, कथानक संरचना, शैली और 'कुमारसंभवम्' की विशेषताएँ
- **इकाई 2:** 'कुमारसंभवम्' के श्लोक 1 से 17 तक: अनुवाद, संदर्भ और व्याख्या
- **इकाई 3:** 'कुमारसंभवम्' के श्लोक 18 से 34 तक: अनुवाद, संदर्भ और व्याख्या
- **इकाई 4:** 'कुमारसंभवम्' के श्लोक 35 से 51 तक: अनुवाद, संदर्भ और व्याख्या
- **इकाई 5:** 'कुमारसंभवम्' के श्लोक 52 से 68 तक: अनुवाद, संदर्भ और व्याख्या

2. संस्कृत साहित्य का इतिहास | BSAN0202-T

- **इकाई 1:**संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय; गद्यकाव्य, पद्यकाव्य, और चंपूकाव्य का परिचय
- **इकाई 2:**प्रमुख महाकाव्य: रामायण, महाभारत, और उनके रचनाकार
- **इकाई 3:**प्रमुख नाटक कार: भास, कालिदास, शूद्रक, श्रीहर्ष, भवभूति
- **इकाई 4:**प्रमुख गद्य लेखक: बाणभट्ट, दंडी, सुबंधु
- **इकाई 5:**संस्कृत साहित्य के विभिन्नयुग और उनकी विशेषताएँ

3. संस्कृत नाटक | BSAN0302-T | Minor | Sanskrit Naatak

- **इकाई 1:**संस्कृत नाटक का परिचय; नाटक की विशेषताएँ और लक्षण
- **इकाई 2:** 'मुद्राराक्षसम्' का प्रथम अंक: अनुवाद, संदर्भ और व्याख्या
- **इकाई 3:** 'मुद्राराक्षसम्' का द्वितीयअंक: अनुवाद, संदर्भ और व्याख्या
- **इकाई 4:**रास, भाव और अभिनय की अवधारणा
- **इकाई 5:**संस्कृत नाटक कारों का योगदान

4. संस्कृत गद्य साहित्य

- **इकाई 1:**गद्य साहित्य का परिचय; प्रमुख गद्यकारों का जीवन और कार्य
- **इकाई 2:** 'दशकुमारचरितम्' काचयनितअंश: अनुवाद, संदर्भ और व्याख्या
- **इकाई 3:** 'कादंबरी' काचयनितअंश: अनुवाद, संदर्भ और व्याख्या
- **इकाई 4:** गद्य साहित्य की विशेषताएँ और शैली
- **इकाई 5:** संस्कृत गद्य साहित्य का विकास

BSAN0502-T . **संस्कृतअलंकार शास्त्र**

- **इकाई 1:**अलंकार शास्त्र का परिचय; अलंकारों का वर्गीकरण
- **इकाई 2:**शब्दालंकार: अनुप्रास, यमक, श्लेष आदि
- **इकाई 3:**अर्थालंकार: उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति आदि
- **इकाई 4:**ध्वनि सिद्धांत और उसकी अवधारणा
- **इकाई 5:**अलंकार शास्त्र के प्रमुखआचार्य और उनके ग्रंथ

BSAN0602-T . **संस्कृत व्याकरण**

- **इकाई 1:**पाणिनीय व्याकरण का परिचय; अष्टाध्यायी की संरचना
- **इकाई 2:**संधि: स्वर, व्यंजन, विसर्गसंधि
- **इकाई 3:**समास: तत्पुरुष, कर्मधारय, द्वंद्व, बहुव्रीहि
- **इकाई 4:**धातुरूपऔर लकारों का परिचय
- **इकाई 5:**सुबंतऔर तिंगंत रूपों का अभ्यास

BSAN0702-T **संस्कृत दर्शन**

- **इकाई 1:**दर्शन का परिचय; भारतीय दर्शन की विशेषताएँ
- **इकाई 2:**सांख्यदर्शन: सिद्धांतऔर प्रमुख अवधारणाएँ
- **इकाई 3:**योगदर्शन: अष्टांगयोगऔर उसकी अवधारणा
- **इकाई 4:**न्यायदर्शन: प्रमाण, अनुमान, उपमान आदि

- **इकाई 5:** वेदांतदर्शन: अद्वैत, द्वैत, विशिष्टाद्वैत

BSAN0802-T संस्कृत साहित्य एवं आधुनिक अध्ययन

- **इकाई 1:** संस्कृत साहित्य में आधुनिक प्रवृत्तियाँ

  स्वतंत्रता संग्राम में संस्कृत लेखन का योगदान

- **इकाई 2:** आधुनिक संस्कृत साहित्य के प्रमुख कवि और लेखक

  पं. जयदेव, रामकृष्ण कौशिक, वेंकटमाधव और उनके ग्रंथ

- **इकाई 3:** संस्कृत निबंध एवं गद्य साहित्य: संप्रेषणीयता एवं आधुनिक दृष्टि

  महत्वपूर्ण निबंधकार और उनके कार्य

- **इकाई 4:** संस्कृत में विज्ञान एवं तकनीकी साहित्य

  ज्योतिष, गणित, आयुर्वेद और वास्तुशास्त्र में संस्कृत ग्रंथों का योगदान

- **इकाई 5:** संस्कृत और कंप्यूटर: मशीन अनुवाद, प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण

  संस्कृत भाषा के संरक्षण एवं संवर्धन के उपाय

SKILL

BASED

कौशल आधारित (SKILL BASED)

1. संस्कृत अनुवाद एवं व्याख्या

BSAN0101SB-T

Unit 1: अनुवादकौशल परिचय

- अनुवाद की परिभाषा, महत्व और भाषिक सिद्धांत।
- संस्कृत से अन्य भाषाओं में अनुवाद के सामान्य रूप।

Unit 2: काव्य-प्रकृतियों का अनुवाद

- संस्कृत काव्य-रचनाओं (राघव, शाकुन्तलम्) का अनुवाद।
- कविता के मीमांसा के साथ अनुवाद।

Unit 3: शास्त्र ग्रंथों का अनुवाद

- वेद, उपनिषदों, भगवद्गीता के प्रमुख अंशों का अनुवाद।
- धार्मिक और दार्शनिक अंशों का व्याख्यात्मक अनुवाद।

Unit 4: साहित्यिक एवं सांस्कृतिक अनुवाद

- संस्कृत साहित्य का अनुवाद एवं उसके सांस्कृतिक संदर्भ।
- लोककथाओं और पुरानी कथाओं का अनुवाद।

Unit 5: अनुवाद के समसामयिक विधियाँ

- अनुवाद में उत्पन्न होने वाली कठिनाइयाँ और उनका समाधान।
- भाषाई रूपों और सृजनात्मकता का उपयोग।

Unit 1: संवादकौशल का परिचय

- संस्कृत संवाद की मूल बातें।
- सामान्य बातचीत में संस्कृत का उपयोग।

Unit 2: प्रतिदिन जीवन में संस्कृत संवाद

- गृहस्थ जीवन, मौसम, स्वास्थ्य पर संवाद अभ्यास।
- सरल संवाद-प्रश्न-उत्तर से प्रारंभ।

Unit 3: मध्यवर्ती संवाद अभ्यास

- परिवार, कार्य, और शैक्षिक संस्थानों पर संवाद अभ्यास।
- संस्कृत संवाद में शब्दावली और वाक्य रचनाएँ।

Unit 4: उच्चस्तरीय संवाद और वाद-विवाद

- सामाजिक मुद्दों पर संस्कृत में विचार-विमर्श।
- नीतिशास्त्र और संस्कृत दार्शनिक दृष्टिकोणों पर संवाद।

Unit 5: संस्कृत संवाद के प्रयोगात्मक अभ्यास

- संस्कृत में प्रस्तुतियाँ, भाषण, और साक्षात्कार।
- संवाद की आत्मविश्वास, भाषा संरचना, उच्चारण और प्रभाव।

(Skill Based)

पेपर का नाम – संस्कृत काव्य एवं प्रस्तुति कौशल

Paper Code- BSAN0103SB-T

Unit – 1 : संस्कृत काव्य का परिचय

- संस्कृत काव्य की संकल्पना एवं स्वरूप
- काव्य के भेद – पद्य, गद्य एवं चम्पू
- प्रमुख संस्कृत कवि एवं उनकी कृतियाँ
- काव्य के तत्व – रस, अलंकार, छंद का परिचय

Unit – 2 : संस्कृत काव्य पठन एवं वाचन कौशल

- संस्कृत काव्य का शुद्ध उच्चारण
- श्लोक एवं पद्य पाठ की विधि
- लय, स्वर एवं भाव के साथ वाचन
- काव्य के अर्थ एवं भाव व्याख्या

Unit – 3 : काव्य प्रस्तुति एवं अभिव्यक्ति कौशल

- मंच पर काव्य प्रस्तुति की तकनीक
- भाव, मुद्रा एवं शारीरिक भाषा का प्रयोग
- काव्य पाठ में आवाज़ एवं अभिव्यक्ति का संतुलन
- काव्य पाठ प्रतियोगिता एवं प्रस्तुति अभ्यास

Unit – 4 : संस्कृत काव्य विश्लेषण एवं सृजन

- चयनित संस्कृत काव्यों का विश्लेषण
- रस एवं अलंकार की पहचान
- सरल संस्कृत पद्य रचना का अभ्यास
- काव्य की व्याख्या एवं प्रस्तुति

Unit – 5 : व्यवहारिक प्रशिक्षण

- संस्कृत काव्य पाठ का अभ्यास
- काव्य मंचन एवं अभिनय
- समूह प्रस्तुति एवं काव्य गोष्ठी
- परियोजना कार्य एवं मौखिक प्रस्तुति

संदर्भ पुस्तकें

1. डॉ. कपिलदेव द्विवेदी – संस्कृत साहित्य का इतिहास
2. आचार्य मम्मट – काव्यप्रकाश
3. विश्वनाथ – साहित्य दर्पण
4. संस्कृत भारती – संभाषण एवं प्रस्तुति कौशल
5. NCERT – संस्कृत साहित्य एवं शिक्षण पद्धति

पेपर – संस्कृत रूपक एवं अभिनय कला

Paper Code- BSAN0104SB-T

Unit – 1 : संस्कृत रूपक का परिचय

- रूपक की संकल्पना एवं स्वरूप
- रूपक के प्रकार – नाटक, प्रकरण, भाण, व्यायोग आदि
- संस्कृत नाट्य परंपरा का इतिहास
- प्रमुख संस्कृत नाटककार – कालिदास, भास, भवभूति

Unit – 2 : नाट्यशास्त्र एवं अभिनय के सिद्धांत

- भरतमुनि का नाट्यशास्त्र – परिचय
- नाट्यशास्त्र के प्रमुख तत्व – रस, भाव, अभिनय
- अभिनय के प्रकार –
- आंगिक अभिनय
- वाचिक अभिनय
- आहार्य अभिनय
- सात्विक अभिनय

Unit – 3 : संस्कृत नाटकों का अध्ययन

- अभिज्ञानशाकुन्तलम् – कालिदास
- उत्तररामचरितम् – भवभूति
- स्वप्नवासवदत्तम् – भास
- चयनित अंशों का अध्ययन एवं व्याख्या

Unit – 4 : अभिनय एवं मंच प्रस्तुति कौशल

- संवाद अदायगी की तकनीक
- मंच संचालन एवं रंगमंच व्यवस्था
- अभिनय में भाव, मुद्रा एवं शरीर भाषा
- संगीत, वेशभूषा एवं मंच सज्जा

Unit – 5 : व्यवहारिक प्रशिक्षण

- संस्कृत नाट्य अंशों का अभिनय अभ्यास
- समूह नाटक प्रस्तुति
- संवाद अभ्यास एवं मंच प्रदर्शन
- परियोजना कार्य एवं मौखिक परीक्षा

संदर्भ पुस्तकें (References)

1. भरतमुनि – *नाट्यशास्त्र*
2. कालिदास – *अभिज्ञानशाकुन्तलम्*

3. भवभूति – *उत्तररामचरितम्*
4. भास – *स्वप्नवासवदत्तम्*
5. डॉ. कपिलदेव द्विवेदी – *संस्कृत नाट्य साहित्य का इतिहास*

संस्कृत शास्त्री गद्य एवं लेखन कौशल

Paper Code-BSAN0105SB-T

Unit – 1 : संस्कृत गद्य का परिचय

- संस्कृत गद्य की संकल्पना एवं विशेषताएँ
- गद्य के प्रकार – कथात्मक, वर्णनात्मक, विचारात्मक
- प्रमुख संस्कृत गद्यकार एवं कृतियाँ
- संस्कृत गद्य शैली का विकास

Unit – 2 : गद्य पठन एवं बोध कौशल

- चयनित संस्कृत गद्य पाठों का अध्ययन
- शब्दार्थ, वाक्य रचना एवं भावार्थ
- अनुच्छेद बोध एवं सार लेखन
- प्रश्नोत्तर एवं विवेचनात्मक अभ्यास

Unit – 3 : संस्कृत लेखन कौशल

- संस्कृत वाक्य निर्माण के नियम
- अनुच्छेद लेखन
- पत्र लेखन (औपचारिक एवं अनौपचारिक)
- आवेदन, सूचना एवं संदेश लेखन

Unit – 4 : आधुनिक एवं सृजनात्मक लेखन

- निबंध लेखन – सामाजिक, सांस्कृतिक विषय
- संवाद लेखन
- लघु कथा एवं आत्मकथात्मक लेखन
- सरल संस्कृत में समसामयिक विषयों पर लेखन

Unit – 5 : व्यवहारिक प्रशिक्षण

- गद्य लेखन का नियमित अभ्यास
- समूह लेखन एवं प्रस्तुति
- संपादन एवं सुधार अभ्यास
- परियोजना कार्य एवं मौखिक परीक्षा

संदर्भ पुस्तकें (References)

1. पं. रामावतार शर्मा – *संस्कृत गद्य साहित्य*
2. डॉ. कपिलदेव द्विवेदी – *संस्कृत गद्य का इतिहास*
3. संस्कृत भारती – *संस्कृत लेखन एवं संभाषण*
4. M. R. Kale – *Higher Sanskrit Prose*
5. NCERT – *संस्कृत गद्य पठन सामग्री*

DSE

BSAN0101D-T)DSE) संस्कृत पाठ्यक्रम

पत्रनाम — संस्कृतनाटकं एवं नाट्यशास्त्रम्

एकक–1 (Unit–I): नाट्यशास्त्रपरिचयः

- नाट्यस्य परिभाषा, स्वरूपं च
- भरतमुनिकृत *नाट्यशास्त्रस्य* उद्भवः एवं महत्वम्
- नाट्यस्य उद्देश्यं (लोकशिक्षा, मनोरञ्जनं च)

एकक–2 (Unit–II): रस–भाव–सिद्धान्तः

- रसस्य परिभाषा एवं भेदाः
  (शृङ्गार, हास्य, करुण, रौद्र, वीर, भयानक, बीभत्स, अद्भुत, शान्त)
- भावाः — स्थायीभावाः, सञ्चारीभावाः, सात्त्विकभावाः
- रस–भावयोः सम्बन्धः

एकक–3 (Unit–III): अभिनयविचारः

- अभिनयस्य प्रकाराः —
  - आङ्गिकः
  - वाचिकः
  - आहार्यः
  - सात्त्विकः
- नाट्ये संवादस्य एवं मुद्राणां महत्वम्

एकक–4 (Unit–IV): संस्कृतनाटकपरिचयः

- संस्कृतनाटकस्य लक्षणानि
- नाटकस्य भेदाः — रूपकं, उपरूपकं
- प्रमुखनाटककाराः —
  भासः, कालिदासः, शूद्रकः, विशाखदत्तः
- प्रसिद्धनाटकानां संक्षिप्तपरिचयः
  (*अभिज्ञानशाकुन्तलम्, मृच्छकटिकम्, स्वप्नवासवदत्तम्* इत्यादि)

एकक–5 (Unit–V): चयनितसंस्कृतनाटकस्य अध्ययनम्

- कस्यचित् एकस्य संस्कृतनाटकस्य
  (यथा — *अभिज्ञानशाकुन्तलम्* अथवा *रत्नावली*)
  चयनिताङ्कानां/अंशानां पाठः
- पात्रविश्लेषणम्
- रस–विमर्शः एवं नाट्यशास्त्रीयदृष्ट्या समालोचना

सहायकग्रन्थाः संदर्भग्रन्थाः /

1. भरतमुनिः — *नाट्यशास्त्रम्*
2. अभिनवगुप्तः — *अभिनवभारती*
3. कालिदासः — *अभिज्ञानशाकुन्तलम्*
4. शूद्रकः — *मृच्छकटिकम्*
5. मम्मटः — *काव्यप्रकाशः* (रसविषयक अध्ययनार्थम्)

BSAN0102D - T	Sanskrit lok kathayen avam pauranik	संस्कृत लोककथाएँ और पुरानी कथाएँ

Unit 1: लोककथाओं का परिचय

- संस्कृत में लोककथाओं का सांस्कृतिक महत्व।
- प्रमुख संस्कृत लोककथाएँ: पंचतंत्र, हितोपदेश।

Unit 2: महाभारत और रामायण की कथाएँ

- महाभारत और रामायण में निहित लोककथाएँ।
- प्राचीन और आधुनिक समाज पर इन कथाओं का प्रभाव।

Unit 3: शास्त्रों और पुरानी कथाओं में नैतिक शिक्षा

- संस्कृत कथाओं में नैतिक और धार्मिक शिक्षा का तत्व।
- लोककथाओं के माध्यम से समाज में सद्गुणों का प्रचार।

Unit 4: लोककथाओं का सांस्कृतिक और धार्मिक संदर्भ

- संस्कृत लोककथाओं का सांस्कृतिक, धार्मिक और दार्शनिक दृष्टिकोण।
- संस्कृत लोककथाएँ और भारतीय सभ्यता।

Unit 5: आधुनिक संदर्भ में लोककथाओं का पुनः विवेचन

- आधुनिक साहित्य, सिनेमा और संस्कृति में लोककथाओं का पुनः उद्धारण।
- लोककथाओं का समकालीन संदर्भ में महत्व।

2. संस्कृत पुराणशास्त्र

पेपर – भारतीय दर्शन एवं सांख्य रोग

Paper Code- BSAN0103D-T

Unit – 1 : भारतीय दर्शन का परिचय

- भारतीय दर्शन की संकल्पना एवं स्वरूप
- भारतीय दर्शन की विशेषताएँ
- आस्तिक एवं नास्तिक दर्शन का परिचय
- प्रमुख भारतीय दर्शन – न्याय, वैशेषिक, सांख्य, योग, मीमांसा, वेदांत

Unit – 2 : सांख्य दर्शन का स्वरूप

- सांख्य दर्शन का इतिहास एवं प्रवर्तक (कपिल मुनि)
- सांख्य दर्शन के मूल सिद्धांत
- प्रकृति एवं पुरुष का स्वरूप
- त्रिगुण सिद्धांत – सत्व, रज, तम

Unit – 3 : सांख्य दर्शन के तत्व एवं मोक्ष सिद्धांत

- 25 तत्वों का वर्णन
- सृष्टि की प्रक्रिया
- बंधन एवं मोक्ष की अवधारणा
- सांख्य दर्शन का महत्व एवं समालोचना

Unit – 4 : योग दर्शन का परिचय

- योग दर्शन का इतिहास एवं पतंजलि योगसूत्र
- अष्टांग योग –

1. यम
2. नियम
3. आसन
4. प्राणायाम
5. प्रत्याहार
6. धारणा
7. ध्यान
8. समाधि

Unit – 5 : सांख्य एवं योग दर्शन का व्यावहारिक एवं आधुनिक महत्व

- सांख्य एवं योग का आपसी संबंध
- योग का मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य में योगदान

- आधुनिक जीवन में योग एवं दर्शन की उपयोगिता
- परियोजना कार्य एवं प्रस्तुति

संदर्भ पुस्तकें (References)

1. डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन – *भारतीय दर्शन*
2. ईश्वरकृष्ण – *सांख्यकारिका*
3. पतंजलि – *योगसूत्र*
4. एम. हिरियन्ना – *भारतीय दर्शन का इतिहास*
5. चन्द्रधर शर्मा – *भारतीय दर्शन*

संस्कृत विज्ञान एवं आम गणित

Paper Code –BSAN0104D-T

Unit – 1 : संस्कृत विज्ञान का परिचय

- विज्ञान की संकल्पना (विज्ञानस्य स्वरूपम्)
- प्राचीन भारतीय वैज्ञानिक परंपरा
- वेदों एवं उपनिषदों में वैज्ञानिक विचार
- संस्कृत ग्रंथों में विज्ञान का महत्व

Unit – 2 : भारतीय विज्ञान परंपरा

- आयुर्वेद का वैज्ञानिक आधार
- खगोलशास्त्र (ज्योतिष) का परिचय
- गणित एवं ज्यामिति का विकास
- प्रमुख भारतीय वैज्ञानिक – आर्यभट्ट, वराहमिहिर, भास्कराचार्य

Unit – 3 : आम गणित – आधारभूत सिद्धांत

- संख्या पद्धति
- भिन्न, दशमलव एवं प्रतिशत
- अनुपात एवं समानुपात
- औसत, लाभ-हानि

Unit – 4 : गणित का व्यावहारिक प्रयोग

- समय एवं कार्य
- समय एवं दूरी
- साधारण एवं चक्रवृद्धि ब्याज
- दैनिक जीवन में गणित का उपयोग

Unit – 5 : व्यवहारिक एवं परियोजना कार्य

- गणितीय समस्याओं का समाधान
- वैज्ञानिक विषयों पर लघु परियोजना
- चार्ट, तालिका एवं प्रस्तुति
- मौखिक परीक्षा एवं मूल्यांकन

संदर्भ पुस्तकें (References)

1. आर्यभट्ट – *आर्यभटीय*
2. भास्कराचार्य – *लीलावती*
3. डॉ. कपिलदेव द्विवेदी – *भारतीय विज्ञान परंपरा*
4. NCERT – *General Science*
5. R.S. Aggarwal – *Quantitative Aptitude*

संस्कृत भाषाओं का तुलनात्मक अध्ययन

Paper Code-0105D-T

Unit – 1 : भाषा एवं तुलनात्मक अध्ययन का परिचय

- भाषा की संकल्पना एवं स्वरूप
- भाषा विज्ञान का परिचय
- तुलनात्मक भाषा अध्ययन की विधि एवं महत्व
- इंडो-आर्यन भाषा परिवार का परिचय

Unit – 2 : संस्कृत एवं प्राकृत – पाली भाषाओं का तुलनात्मक अध्ययन

- संस्कृत, प्राकृत एवं पाली भाषाओं का विकास
- ध्वनि परिवर्तन एवं शब्द रूपों की तुलना
- व्याकरणिक संरचना का तुलनात्मक अध्ययन
- साहित्यिक परंपराओं की तुलना

Unit – 3 : संस्कृत एवं आधुनिक भारतीय भाषाएँ

- संस्कृत एवं हिंदी का तुलनात्मक अध्ययन
- संस्कृत एवं मराठी, बंगाली, गुजराती आदि भाषाओं का संबंध
- शब्दावली एवं व्याकरण की समानताएँ एवं भिन्नताएँ
- आधुनिक भारतीय भाषाओं पर संस्कृत का प्रभाव

Unit – 4 : संस्कृत एवं विदेशी भाषाएँ

- संस्कृत एवं इंडो-यूरोपीय भाषाओं का संबंध
- संस्कृत एवं ग्रीक, लैटिन आदि भाषाओं का तुलनात्मक अध्ययन
- ध्वनि, शब्द एवं व्याकरण की समानताएँ

Unit – 5 : व्यवहारिक एवं परियोजना कार्य

- भाषाओं के तुलनात्मक अध्ययन पर परियोजना
- संस्कृत शब्दों का आधुनिक भाषाओं में प्रयोग
- प्रस्तुति एवं समूह चर्चा
- मौखिक परीक्षा एवं मूल्यांकन

संदर्भ पुस्तकें (References)

1. सुनीति कुमार चटर्जी – *भारतीय आर्य भाषाओं का इतिहास*
2. टी. बरो – *The Sanskrit Language*
3. डॉ. कपिलदेव द्विवेदी – *संस्कृत भाषा का इतिहास*
4. B. K. Ghosh – *Comparative Philology*
5. George Cardona – *Indo-European Linguistics*

संस्कृत पुराण शास्त्र

Paper Code-BSAN0106D-T

Unit – 1 : पुराण शास्त्र का परिचय

- पुराण की संकल्पना एवं परिभाषा
- पुराण साहित्य का इतिहास एवं विकास
- अष्टादश महापुराणों का परिचय
- उपपुराणों का संक्षिप्त परिचय
- पुराणों के पंचलक्षण –
- सर्ग
- प्रतिसर्ग
- वंश
- मन्वंतर
- वंशानुचरित

Unit – 2 : प्रमुख पुराणों का अध्ययन

- विष्णु पुराण – विषय एवं विशेषताएँ
- शिव पुराण – विषय एवं विशेषताएँ
- भागवत पुराण – विषय एवं धार्मिक महत्व
- मार्कण्डेय पुराण एवं देवी महात्म्य

Unit – 3 : पुराणों में धर्म एवं संस्कृति

- धर्म, कर्म एवं मोक्ष की अवधारणा
- पुराणों में वर्णित संस्कार एवं परंपराएँ
- पुराणों में तीर्थ, व्रत एवं उत्सव
- लोक जीवन एवं सामाजिक व्यवस्था

Unit – 4 : पुराणों का ऐतिहासिक एवं साहित्यिक महत्व

- पुराणों में वर्णित वंशावली एवं इतिहास
- पुराणों की भाषा एवं शैली
- पुराणों का साहित्य एवं कला पर प्रभाव
- भारतीय संस्कृति के संरक्षण में पुराणों की भूमिका

Unit – 5 : व्यवहारिक एवं परियोजना कार्य

- चयनित पुराण अंशों का अध्ययन एवं व्याख्या
- पुराण कथाओं की प्रस्तुति
- पुराण आधारित परियोजना कार्य

- मौखिक परीक्षा एवं प्रस्तुति

संदर्भ पुस्तकें (References)

1. डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन – *भारतीय संस्कृति एवं धर्म*
2. आर.सी. हजरा – *Studies in Puranic Records*
3. विष्णु पुराण
4. भागवत पुराण
5. शिव पुराण
6. डॉ. कपिलदेव द्विवेदी – *पुराण साहित्य का इतिहास*

पर्यावरण चेतना एवं संस्कृत साहित्य

Paper Code-BSAN0107D-T

Unit – 1 : पर्यावरण एवं उसकी संकल्पना

- पर्यावरण की परिभाषा एवं स्वरूप
- पर्यावरण के घटक – जल, वायु, भूमि, वनस्पति एवं जीव-जंतु
- पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता
- भारतीय संस्कृति में प्रकृति का महत्व

Unit – 2 : वेद एवं उपनिषदों में पर्यावरण चेतना

- वेदों में प्रकृति वर्णन
- पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि एवं आकाश का महत्व
- उपनिषदों में प्रकृति एवं जीवन दर्शन
- वैदिक मंत्रों में पर्यावरण संरक्षण का संदेश

Unit – 3 : पुराण एवं काव्य साहित्य में पर्यावरण चेतना

- पुराणों में प्रकृति संरक्षण एवं वृक्षों का महत्व
- रामायण एवं महाभारत में पर्यावरण संबंधी विचार
- कालिदास के काव्यों में प्रकृति वर्णन
- संस्कृत साहित्य में वन, नदी एवं पर्वत का महत्व

Unit – 4 : संस्कृत साहित्य में पर्यावरण संरक्षण के सिद्धांत

- वृक्षारोपण एवं वन संरक्षण
- जल संरक्षण एवं स्वच्छता
- जीव-जंतुओं के संरक्षण की भावना
- पर्यावरण संतुलन एवं मानव जीवन

Unit – 5 : व्यवहारिक एवं परियोजना कार्य

- संस्कृत ग्रंथों से पर्यावरण संबंधित श्लोकों का अध्ययन
- पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम एवं प्रस्तुति
- वृक्षारोपण एवं संरक्षण परियोजना
- समूह चर्चा एवं मौखिक परीक्षा

संदर्भ पुस्तकें (References)

1. ऋग्वेद एवं अथर्ववेद – चयनित सूक्त
2. वाल्मीकि रामायण
3. महाभारत
4. कालिदास – *ऋतुसंहार, मेघदूत*
5. डॉ. कपिलदेव द्विवेदी – *संस्कृत साहित्य का इतिहास*

संस्कृत व्याकरण और भाषा शास्त्र

Paper Code-BSAN0108D-T

Unit – 1 : संस्कृत व्याकरण का परिचय

- संस्कृत व्याकरण की संकल्पना एवं महत्व
- पाणिनि व्याकरण का परिचय
- संस्कृत वर्णमाला एवं संधि का परिचय
- शब्द निर्माण की प्रक्रिया

Unit – 2 : संधि एवं समास

- संधि के प्रकार – स्वर संधि, व्यंजन संधि, विसर्ग संधि
- समास की संकल्पना एवं प्रकार –
- अव्ययीभाव समास
- तत्पुरुष समास
- द्वंद्व समास
- बहुव्रीहि समास
- कर्मधारय समास

Unit – 3 : कारक एवं वाक्य रचना

- कारक की संकल्पना एवं प्रकार
- विभक्ति प्रयोग
- वाक्य निर्माण एवं संरचना
- पदों का प्रयोग एवं अर्थ

Unit – 4 : भाषा शास्त्र का परिचय

- भाषा शास्त्र की संकल्पना एवं क्षेत्र
- ध्वनि विज्ञान (Phonetics)
- रूप विज्ञान (Morphology)
- वाक्य विज्ञान (Syntax)
- अर्थ विज्ञान (Semantics)

Unit – 5 : व्यवहारिक एवं परियोजना कार्य

- संधि एवं समास अभ्यास
- वाक्य निर्माण एवं अनुवाद अभ्यास
- भाषा विश्लेषण एवं प्रस्तुति
- परियोजना कार्य एवं मौखिक परीक्षा

संदर्भ पुस्तकें (References)

1. पाणिनि – *अष्टाध्यायी*
2. सिद्धान्त कौमुदी – भट्टोजी दीक्षित
3. डॉ. कपिलदेव द्विवेदी – *संस्कृत व्याकरण का इतिहास*
4. George Cardona – *Panini: A Survey of Research*
5. F. B. J. Kuiper – *Linguistics and Sanskrit*

Unit 1: पुराणों का परिचय और उनका महत्व

- पुराणों की परिभाषा और वेदों से उनका संबंध।
- प्रमुख पुराणों (विष्णु, शिव, भगवता) का सामान्य परिचय।

Unit 2: विष्णु पुराण और शिव पुराण

- विष्णु पुराण का अध्ययन: ब्रह्मा, विष्णु, महेश का विवरण।
- शिव पुराण में शिव की पूजा, परंपरा और उनके तत्वज्ञान का विवरण।

Unit 3: भगवता पुराण और उपपुराणों का अध्ययन

- भगवता पुराण का महत्व, कृष्ण के जीवन की कथाएँ।
- उपपुराणों का अध्ययन, उनके उद्देश्य और विशेषताएँ।

Unit 4: पुराणों में धार्मिक और दार्शनिक सिद्धांत

- पुराणों में ब्रह्म, आत्मा, संसार, और मोक्ष के विषय में विवरण।
- पुराणों में आस्थाएँ, परंपराएँ और संस्कृत समाज।

Unit 5: पुराणों का सांस्कृतिक और साहित्यिक प्रभाव

- संस्कृत साहित्य और संस्कृति में पुराणों का प्रभाव।
- आधुनिक समाज में पुराणों का प्रासंगिकता और पुनः विमर्श।

3. संस्कृत भाषाओं का तुलनात्मक अध्ययन

Unit 1: संस्कृत और प्राकृत भाषाएँ

- संस्कृत और प्राकृत के बीच भेद और समानताएँ।
- प्राकृत भाषाओं का संस्कृत पर प्रभाव।

Unit 2: संस्कृत और तमिल भाषाएँ

- संस्कृत और तमिल भाषाओं का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य।
- संस्कृत के तमिल साहित्य पर प्रभाव।

Unit 3: संस्कृत और अन्य इंडो-यूरोपीय भाषाएँ

- संस्कृत और ग्रीक/लैटिन/गर्मन भाषाओं के तुलनात्मक अध्ययन।
- ध्वनितात्विक और व्याकरणिक समानताएँ और भेद।

Unit 4: संस्कृत और आधुनिक भारतीय भाषाएँ

- हिंदी, बंगाली, गुजराती, और मराठी में संस्कृत का प्रभाव।
- आधुनिक भारतीय भाषाओं में संस्कृत शब्दों का प्रचलन।

Unit 5: भाषाई परिवर्तन और संस्कृत का संरक्षण

- संस्कृत का अस्तित्व और उसके संरक्षण हेतु प्रयास।
- संस्कृत के पुनरुद्धार की आवश्यकता और उसका समकालीन संदर्भ।

BSAN0104D-T . संस्कृत विज्ञान और गणित

Unit 1: प्राचीन संस्कृत और गणितीय अवधारणाएँ

- संस्कृत में गणित की प्रमुख अवधारणाएँ।
- वेद और संस्कृत ग्रंथों में अंकगणित, त्रिकोणमिति और ज्योतिष का वर्णन।

Unit 2: संस्कृत में गणित के सिद्धांत

- संस्कृत में शून्य और दशमलव पद्धति।
- संस्कृत ग्रंथों में व्याप्त रेखागणित, क्षेत्रमिति और सांख्यिकी।

Unit 3: भारतीय गणितज्ञ और उनके योगदान

- आर्यभट, भास्कराचार्य, वराहमिहिर, और अन्य गणितज्ञों का परिचय।
- उनके संस्कृत ग्रंथों में गणितीय विधियाँ।

Unit 4: संस्कृत में विज्ञान और खगोलशास्त्र

- संस्कृत में विज्ञान के प्रारंभिक अध्ययन, आयुर्वेद, रसायन शास्त्र, और चिकित्सा।
- संस्कृत ग्रंथों में खगोलशास्त्र और पृथ्वी के बारे में विचार।

Unit 5: संस्कृत और आधुनिक गणित व विज्ञान

- संस्कृत के प्राचीन गणितीय सिद्धांत और उनके आधुनिक गणित और विज्ञान पर प्रभाव।

- समकालीन विज्ञान में संस्कृत का योगदान और प्रसार।

5. संस्कृत तात्त्विक ग्रंथ

Unit 1: तात्त्विक ग्रंथों का परिचय

- प्रमुख संस्कृत तात्त्विक ग्रंथों का अध्ययन: वेदांत, सांख्य, योग, और न्याय
- तात्त्विक चिंतन की परंपरा और उनके सिद्धांत

Unit 2: वेदांत दर्शन और भगवद्गीता

- वेदांत का आधार, अद्वैत वेदांत का सिद्धांत
- भगवद्गीता का तात्त्विक विश्लेषण और जीवन दर्शन

Unit 3: सांख्य और योग दर्शन

- सांख्य दर्शन का सिद्धांत, पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश का वर्णन
- योग दर्शन में चिंतन, आत्मा, और शरीर के संबंध की व्याख्या

Unit 4: न्याय और मीमांसा दर्शन

- न्याय दर्शन: प्रमाण, उचित व सत्य का विश्लेषण
- मीमांसा दर्शन में धर्म और कर्म के सिद्धांत

Unit 5: तात्त्विक सिद्धांतों का आधुनिक संदर्भ में अध्ययन

- तात्त्विक ग्रंथों का समकालीन समाज पर प्रभाव
- वेदांत, सांख्य और योग के आधुनिक जीवन में उपयोग

6. संस्कृत शिक्षाशास्त्र

Unit 1: संस्कृत शिक्षा का इतिहास और उद्देश्य

- संस्कृत शिक्षा की परंपरा और शिक्षा के उद्देश्य
- संस्कृत के शिक्षाशास्त्र के विकास का इतिहास

Unit 2: संस्कृत शिक्षण विधियाँ

- संस्कृत शिक्षा के लिए पारंपरिक विधियाँ।
- गुरुकुल परंपरा, पाठशाला, और अन्य शिक्षण पद्धतियाँ।

Unit 3: संस्कृत पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकें

- संस्कृत के विभिन्न स्तरों के पाठ्यक्रम और सामग्री।
- संस्कृत पाठ्यपुस्तकों का विकास और उनका प्रभाव।

Unit 4: संस्कृत शिक्षक की भूमिका और जिम्मेदारियाँ

- संस्कृत शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण और उनके कार्य।
- संस्कृत शिक्षण में छात्रों का मनोविज्ञान और आदर्श शिक्षक।

Unit 5: संस्कृत शिक्षा का समकालीन संदर्भ

- आधुनिक समय में संस्कृत शिक्षा का स्थान।
- संस्कृत शिक्षाशास्त्र का वैश्विक दृष्टिकोण और आवश्यकताएँ।

सुझावित पुस्तिकाएँ -

1. **कुमारसंभवम्** - कालिदास (गोपाल शास्त्री संस्करण)
2. **संस्कृत महाकाव्य मीमांसा** - डॉ. गोपाल दत्त शुक्ल
3. **संस्कृत साहित्य का इतिहास** - एस.एन. दासगुप्ता
4. **संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास** - मोतीचंद
5. **संस्कृत साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास** - डॉ. सूर्यकांत त्रिपाठी
6. **संस्कृत साहित्य का सार संग्रह** - ए.बी. कीथ
7. **मुद्रा राक्षसम्** – विशाख दत्त (काशीनाथ पांडेय)
8. **संस्कृत नाटक और उसका विकास** – बलदेव उपाध्याय
9. **नाट्यशास्त्र (भरतमुनि)** – अड्यार पुस्तकालय संस्करण
10. **दश कुमार चरितम्** - दंडी (गीता प्रेस संस्करण)
11. **कादंबरी** - बाणभट्ट (रामजी उपाध्याय संस्करण)

12. **संस्कृत गद्य साहित्य काअध्ययन** - डॉ. भगवती प्रसाद शुक्ल

13. **साहित्यदर्पण** – विश्वनाथ कविराज (बनारस हिंदू विश्वविद्यालय संस्करण)

14. **ध्वन्यालोक** - आनंदवर्धन (पं. सुधाकर पांडेय)

15. **अष्टाध्यायी (पाणिनि)** – वासुदेव शरण अग्रवाल

16. **लघु सिद्धांत कौमुदी** - वरदराज (गोपाल शास्त्री)

17. **संस्कृत व्याकरण की मूलभूत अवधारणाएँ** - डॉ. भोलानाथ तिवारी

18. **भारतीय दर्शन** – सुरेंद्रनाथ दासगुप्ता

19. **सांख्य कारिका (ईश्वरकृष्ण)** – गोविंदाचार्य संस्करण

20. **योगसूत्र (पतंजलि)** – स्वामी हरिहरानंद अरण्य

21. **आधुनिक संस्कृत साहित्य** - डॉ. वासुदेव द्विवेदी

22. **संस्कृतऔरविज्ञान** - प्रो. रामकृष्ण कौशिक

23. **संस्कृतभाषाऔरकंप्यूटर** - डॉ. सुभाष कक्कड़